अंक – आठ
अक्टुबर 2016 – मार्च 2017

परिवर्तन
PARIVARTAN
समेकित ग्रामीण समुदाय विकास हेतु तक्षशिला की पहल

ग्राम : नरेन्द्रपुर, प्रखंड : जीरादेई
जिला : सिवान, बिहार
दूरभाष : 07759863369

तक्षशिला

बाल संवाद

प्यारे दोस्तो,

आपके हाथ में मैं हूँ "चहकने की ललक"।

हाँ, यही है मेरा नाम मुझे लिखने वाले मेरे बाल लेखको ने दिया है। ये परिवर्तन के बच्चे है जो मेरे लिए लिखते हैं।

उनका यह मानना है कि जब वह मुझसे जुड़े, मेरे लिए लिखा तो उन्होंने खुद को उन्मुक्त महसूस किया। और वह बेहद खुश थे, उन दोस्तों का आभार।

आपकी ही,
चहकने की ललक

चाँद

एक दिन मैं जब छत पर सोई थी तो, हमारा नजर चाँद पर गया, तो हमने सोचा की चाँद हम सभी से इतना दूर क्यों है? फिर मैंने

आप बीती

अपनी माँ से पुछा की माँ चाँद हम सब से इतना दुर क्यों है? माँ ने कहाँ कि रात हो चुकी है, अब तुम सो जाओ सुबह बताएंगे, फिर मैंने माँ से पुछा की माँ चाँद हमेशा छुपता क्यों है? माँ ने कहाँ तुम ऐसा सवाल क्यों किया करती हो। फिर हम सोचे की कही मेरे सवाल का जवाब पापा के पास मिल जाएगा, तो हमने अपने पापा से पुछा तो वे बोले की हमे पता नहीं है, तो मैं दादी के पास गई और उनसे पुछा की दादी चाँद क्यों छुपता है? तो मेरी दादी ने बताया की पृथ्वी जब गमन करती है, तो हमे लगता है कि चाँद घुम रहा है, अब तुम सो जाओ तुम्हारे मन में कोई प्रश्न आए तो हमसे सुबह में पुछ लेना अब आराम से जाकर सो जाओ।

रानी कुमारी, घर– छियासी, कक्षा–8

होली

कविता

होली है हम सबका त्यौहार
रंग विरंगे गुलाल सजाकर
बारी–बारी गुलाल लगाए
आपस में मित्रता को बढ़ाएँ।

होली है हम सबका त्यौहार
वर्षों से रहता है इसका इंतजार
कब आयेगा रंगों का बहार
होता नहीं अब और इंतजार
होली है हम सबका त्यौहार
घर–घर जाकर हाथ मिलायें
भाई चारा का रिश्ता निभाये
ढ़क दे चेहरे को गुलाल से
प्यार का एक ऐसा रंग बरसाये
ऐसा कुछ खास कर जाएँ
यह त्यौहार यादगार बनाएँ
इसे दिन से सब याद करे
होली है हम सबका त्यौहार

मिथिलेश कुमार चौहान
घर– भरौली, कक्षा–10

परीक्षा

आप बीती

परिक्षा का ख्याल आते ही मन में डर पैदा हो जाता है। बच्चे बहुत तैयारी करते है फिर भी कितने बच्चे असफल हो जाते हैं। क्योंकि स्कूल या कोचिंग में यह नहीं बताया जाता है कि किस तरह परिक्षा में बैठना चाहिए और समय का ख्याल रखते हुवे, अपने विषय को पुरा लिख सके। मेरे साथ भी यही घटना हुआ इस साल में मैट्रिक का परिक्षा दिया लेकिन हर दिन कुछ ना कुछ गलती कर दिया। कभी हड़बडाहट में प्रश्न छुट गया तो कुछ सवालों का जवाब नहीं दे पाया सबसे ज्यादा गणित के पेपर में मेरा गलती हुआ, लेकिन मैं गणित का अच्छा विषय मानता था मुझे आज भी बहुत दुख होता है कि इन्हीं सभी कारणों के वजह से सभी बच्चे गलती करते हैं। अगर बच्चों में पहले से ही यह बदलाव हो तो बच्चे परिक्षा के डर से भागने के जगह उसका अच्छा इस्तेमाल कर सके।

सुनिल कुमार, घर–भरौली, कक्षा–10

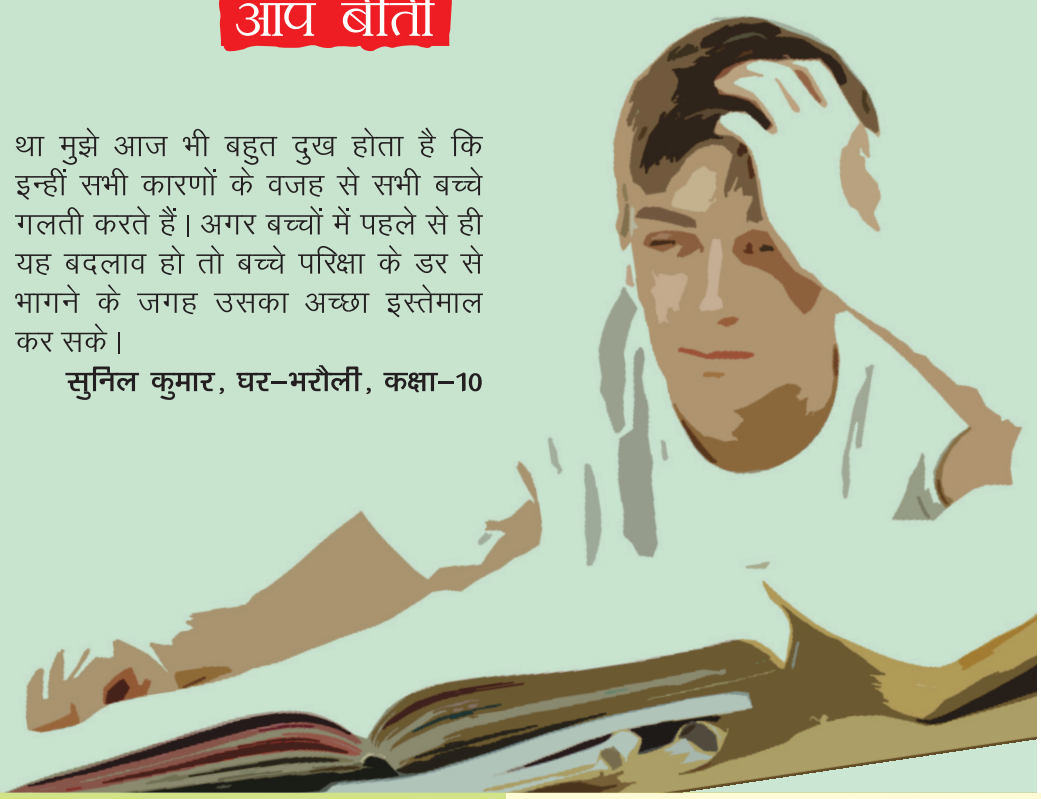

परीक्षा

कविता

एक सयानी लड़की थी,
वह पढ़ने से डरती थी,
सुबह स्कूल जाती थी,
लंच में घर भाग आती थी,

जब वह स्कूल जाती थी,
अपने झोले में भरकर
वह बहुत किताबे लाती थी
जब स्कूल में परिक्षा आया

परिक्षा में वह हो गई फेल
तब से समझ में आ गया
उसको पढ़ाई का सारा खेल।

पुनित कु. यादव, बेल्ही पश्चिम, कक्षा–5

आवाज

कहानी

एक घर था, जिसके आस–पास कोई घर नहीं था, उस घर में एक लड़का उसके मम्मी,

पापा रहते थे। उसके घर के पीछे एक बहुत बड़ा बगीचा था बगीचे में एक सुखा पेड़ था, जब रात होती थी तो उस पेड़ से अजीब अजीब की आवाज आती थी, लड़का रोज आवाज सुनकर जग जाता था और बगीचे में चल जाता था, जब वह पेड़ के पास जाता था तब अवाज बंद हो जाता था और जब वह वापस आता था तो फिर आवाज आने लगती थी, रोज उसके साथ ऐसा ही होता था लड़का सुनते–सुनते बिल्कुल डर गया था एक दिन वह अपने मम्मी–पापा से सारा बात बताया तो उसकी माँ डर गई और अपने लड़के को वहाँ जाने से मना कर दी। लेकिन उसके पापा सारा बात समझ गये, एक दिन उसके पिता रात में उस पेड़ के पास गये उसके कमरे से वस्तु गायब हो गया, माँ अपने लड़के को ओझा के पास लेकर गई और पिता जी पुलिस के पास गये और बोले की आप एक रात मेरे घर चलीए, पुलिस आ गई, जब रात को फिर से आवाज आना शुरू हुआ तो लड़के के पिता पेड़ के पास गये, तभी उस कमरे में एक चोर घुसा और पुलिस पकड़ ली और रात को आवाज आना बंद हो गया।

जशवंत भारती, मदेशिलापुर, कक्षा–9

लेख

राम नवमी

राम नवमी चइत के महिना में मनावल जाला, एही महिना में राम जी के जन्म भईल रहे, राम

नवमी के दिन राम जी के पुजा कईल जाला, पुड़ी खीर बनेला त राम जी के चढ़ावल जाला, कालसा के नीचे जई रखल जाला, अऊरू कपड़ा के पीस चढ़ावल जाला। राम नवमी के दुसरा दिन गाँव के देवी देवता के पुजा होला सबलोग पुआ, पुड़ी, चढ़ावल जाला।

अंकुश कुमारी, घर–नरेन्द्रपुर, कक्षा–7

लेख

होली

होली हिन्दुओं का प्रमुख त्यौहार है। होली के दिन हम सब बहुत खुश रहते हैं, हमलोग इस दिन अच्छे–अच्छे कपड़े पहनते हैं, हमलोगों के घर बहुत सारा पकवान बनता हैं और हमलोग खुब खाते हैं होली के दिन हमलोग एक दुसरे के उपर रंग भर कर फेकते हैं और जब शाम होता है तो हमलोग नया कपड़ा पहनकर अबिर खेलते हैं। गले मिलते है और बड़े लोगों के पैर पर अबिर लगाकर आशिर्वाद भी लेते है। फिर शाम के समय जोगीरा गया जाता है। तो हमलोग घुम घुम कर देखते है। इसी तरह से हमलोग होली को मनाते हैं।

युराज कुमार, नारायणपुर, कक्षा–7

लेख

पुस्तकालय

एक दिन पुस्तकालय में मैं किताब पढ़ने आया मैं इतना सारा किताब कभी देखा नहीं था मैं सोच में पड़ गया कि क्या पढू फिर मुझे एक कहानी का किताब दिखाई दिया जिसका नाम था गीत का कमाल

किताब को मैं लिया और सोचने लगा कि ऐसा क्या कमाल है, गीत में गीत तो हमलोग भी गाते हैं। फिर मैं किताब को पढ़ने लगा जीतना पढ़ता गया उतना ही हसता रहा जब पुरा किताब पढ लिया तो मुझे काफी अच्छा लगा और मैं इस कहानी को अपने घर पर सुनाया तब से मैं जब भी पुस्तकालय आता हूं तब कोई ना कोई कहानी जरूर पढ़कर जाता हूं। और घर भी सुनाता हूं।

असन कुमार, गोठी, कक्षा–8

कहानी

गेहूं की कटनी

हम गईल रहनी खेत में गेहूं काटे तब खेत में एगो हम सांप देखनी तब हम हसुआ खेत में फेक के घरे भाग अईनी तब हमार पापा पुछलन कारे तोरा के गेहूं काटे के भेजले रहनीह ते घरे का करतारीश तब हम कहनी जानत बाड़ खेतवा में एगो सांप रहल ह एहिसे हम भाग अईनी ह तब पापा कहतारन कि सांपवा तोरा के खात रहल ह का कि भाग अईली ह चल हमरा साथे। तब फिर हम पापा के साथे गईनी और जब खेत में गईनी तब गेहूं काटे लगनी सन तले फिर पापा के लगे

निकल गईल सांपवा और कहे लगलन की भाग रे मनोहरा फिर निकल गईल सांपवा तब हम कहनी अब तु काहे भागत बाड़ ताहरा के खाता का सांपवा तब से हम घरे आ गईनी औवरू खेत में तब से गेहूं काटे ना जानी।

मनोहर कुमार, घर– गोठी, कक्षा–8

चुटकुला

चिन्टू (पिन्टु से)– हम छाता लेकर क्यों चलते हैं?

पिन्टु– क्योंकि छाता नहीं चल सकता है।

गोल्डी कुमारी, धर्मपुर, कक्षा–5

•••

टीचर (छात्र से)– बताओ 2 में से यदि 2 घटा दिए जाए तो क्या बचेगा?

छात्र– मैं सवाल नहीं समझ पाया सर

टीचर– अगर 2 रोटियां है, तुमने दोनों खा ली तो क्या बची?

छात्र–सब्जी, सर

अंजली कुमारी, भवराजपुर, कक्षा–5

कविता

मार्च, अप्रैल मई महीना

मार्च, अप्रैल, मई महीना
कुछ ज्यादा है फिकर इसका
फसल कटाई खेत जुताई
देखो ठंढ घिरे से खिसका।
धुप कभी तो छाव की आहट
कैसे पाये हम इससे राहत
गरम–गरम हवाए चली
सबको अपने मन बदलती
हरे भरे खेत पीले हो गये
पत्ते भी मुरझा गये है
घर से निकलना है मुस्किल
अपना रंग दिखा गये है।
कहां गई वो हरियाली
खेत अब सून सान लग रहे
निकले थे हम देखने के लिए
घर अब अंजान लग रहे।

प्रदीप कुमार, भरौली, कक्षा–10

कविता

पहली उड़ान

शिक्षको की कलम से

नई पंख फैला ली है।
बागो में हरियाली है।
सात समंदर उड़ मैं जाऊ।
वही शाम की लाली है।
लगा छलांग मैं पहली बार
उड़ गई मैं आखिरकार
आई चुनौतिया कई सारी
मैं जीती और सब हारी
यही हमारी कामना
सब मिलकर करे सामना

अविनाश गुप्ता

पहेली

दुबले पतले होने में,
तेज मोटापे में घिरे–घिरे
पर दोनों हालतो में भी
यह तुम्हें रोशनी देता है।

हम है 30 आदमी
लेकिन सिफ–सिफ रानी
सादे काले कपड़े पहने
घंटो तक एक दुसरों से लड़ते हैं।

विरू कुमार, धर्मपुर, कक्षा 5

अपनी बात

मेरे पिता जी का तबियत खराब हो गया था, तो उनके मुँह से आवाज नहीं आ रहा था, मेरे घर के सभी लोग रोने लगे थे और जल्दी से उनको सिवान ईलाज कराने के लिए लेकर गये, डॉक्टर ने जाँच किया और पाँच दिन तक अस्पताल में रहने के लिए कहाँ जब मेरे पिता जी पाँच दिन के बाद घर आये तो, वह सभी लोगों से बात कर रहे थे और वह पहले की तरह फिर से ठीक हो गये और सभी लोग खुशी से रहने लगे।

संध्या कुमारी, नरेन्द्रपुर, कक्षा–5

पेपर क्राफ्ट चिड़ियाँ

एक ए4 पेज लेंगे और उस पेज को बीच से दो भाग में मोड़ेगे मोड़कर उसको बीच से फाड़ देंगे।

फाडे हुवे दोनों पेज को मोड़ेंगे और मोड़कर उसको चिपकायेंगे।

उसके बाद एक मोटा कार्ड बोर्ड का टुकड़ा लेंगे और उसपर चिड़िया का चित्र बनाकर उसको काटेंगे।

करने को कुछ

उस काटे हुवे सेप को लेंगे और उसके उपर उस मोड़े हुवे पेज को लेकर पीन से चिपका देंगे इस तरह चिड़ियां तैयार हो जाएगी। उसके बाद उसको कलर कर देंगे।

आल्का कुमारी, घर– नरेन्द्रपुर, कक्षा–6

पंछी पिजड़े में

खुले से प्रश्न

सामग्री– एक पुरानी सीडी कैसेट एक पेज ए4 साइज, पेंसिल, कलर और एक लम्बी पतली छड़ी।

प्रयोग विधि– सादे कागज को सीडी के आकार में दो पीस काट लेंगे।

एक कागज के उपर तोता और दुसरे कागज के उपर पिजड़े का चित्र बनायेंगे, छड़ी के एक छोर से थोड़ा सा लगभग 3–4सीएम लम्बा चीड़ दें। इस छड़ी में सीडी कैसेट को घुसाकर फिट करें। और सीडी के एक साईड पिजड़ा और दुसरे साईड तोता को चिपकायेंगे। उसके बाद छड़ी को हाथो से घुमाये और अवकलन करेंगे।

विशाल कुमार, घर– मदेशिलापुर, कक्षा–8

आने वाला थीम

अंक 9 के लिए

गर्मी का मौसम
बारिश का मौसम
धान की बुआई
शादी
आम

बधाई

बाल पथिक रिशु को राष्ट्रीय बाल श्री सम्मान 2016 में क्राफ्ट गतिविधि वर्ग में चयन के लिए बधाई!

तक्षशिला पब्लिकेशन द्वारा परिवर्तन के लिए प्रकाशित। सज्जा एवं मुद्रणः इमेजिका ग्राफिक्स